सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 301 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 9 दिसम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

इच्छा ही सभी उपलब्धियों का प्रारंभिक बिन्दु है।
-नेपोलियन हिल

शुभमन गिल मैदान पर वापसी... 7 | जम्मू-कश्मीर में उमर के बयान... 3 | देश विचारों से बनता है और... 2

बहस नहीं, बेनकाब होने का दिन

एसआईआर पर राजनीतिक महातकरार

एसआईआर किस के हित में किसके खिलाफ जवाब दे सरकार

» मनीष तिवारी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और एसआईआर पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार सरकार को राहुल गांधी के आगे झुकना पड़ा। आज संसद का माहौल देखते ही समझ में आ गया कि लोकतंत्र सिर्फ किताबों में पवित्र है और असल में एक कुश्ती का दंगल बन चुका है। आज का दिन किसी साधारण बहस का नहीं बल्कि एसआईआर के नाम पर सीधा राजनीतिक महाप्रलय का रहा। संसद के दोनों सदनों में आज इस मुद्दे पर जोरदार बहस शुरू हुई।

विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया पर एक सुनियोजित चर्चा की लगातार मांग कर रहा था। विपक्ष का दावा है कि एसआईआर की वजह से हाशिए पर पड़े समुदायों को उनके अधिकारों से वंचित किया गया है। इसी मुद्दे को लेकर 1 दिसंबर को शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से ही सदन में हंगामे और कार्यवाही में रुकावटें आ रही थीं। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर चर्चा शुरू की। बातचीत के लिए कुल दस घंटे का समय दिया गया है। राहुल गांधी विपक्ष के दखल को लीड करेंगे और बुधवार को केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल चर्चा का जवाब देंगे। यह बहस मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत विपक्ष के बड़े नेताओं के बार-बार विरोध के बाद हुई।

"चुनाव आयोग के पास एसआईआर का नहीं है अधिकार : मनीष तिवारी

कांग्रेस सांसद ने सदन में बोलते हुए कहा है कि देश के कई राज्यों में एसआईआर हो रहा है। आयोग के पास कानूनी तौर पर एसआईआर कराने का कोई अधिकार नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि सेक्शन 21 से उन्हें एसआईआर कराने का अधिकार मिलता है। हालांकि मनीष तिवारी ने पूरा सेक्शन पढ़ा और कहा कि ना तो संविधान में और ना ही कानून में एसआईआर का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को एक हथियार के रूप में एसआईआर दिया गया। अगर किसी वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी है तो उसे ठीक करने के लिए लिखित कारण बताकर ही एसआईआर किया जा सकता है। उन्होंने मांग की कि सरकार को यह बात सदन के पटल पर रखनी चाहिए कि कौन से निर्वाचन क्षेत्र में कौन सी खामियां थीं और क्यों एसआईआर की जरूरत पड़ी।

> "18 साल से अधिक उम्र के लोगों को पूर्व पीएम राजीव गांधी की सरकार ने वोटिंग का अधिकार दिया था। लेकिन आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।
>
> मनीष तिवारी, कांग्रेस सांसद

मनीष तिवारी ने संभाला मोर्चा

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि पूर्व पीएम राजीव गांधी की सरकार ने देश में सबसे बड़ा चुनाव सुधार का काम किया था। उन्होंने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को वोटिंग का अधिकार दिया था। लेकिन आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव सुधार की जो सबसे पहली जरूरत है। मनीष तिवारी ने मांग की कि इसमें दो और सदस्यों को जोड़ा जाना चाहिए। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की कमेटी में सरकार और विपक्ष के दो-दो लोग रहने चाहिए। इसके अलावा एक सीजेआई को रखना चाहिए। एसआईआर का जिक्र करते हुए।

राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर चर्चा शुरू की।

बीएलओ की सुरक्षा सुप्रीम कोर्ट का आदेश

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में शामिल बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नया नोटिस जारी किया है। यह कदम राज्य में बीएलओ की बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और उनके कार्यभार के बढ़ते दबाव के मद्देनजर उठाया गया है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तमाम राजनेता इस मुद्दे को लेकर कोर्ट पहुंच रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह मंच उन्हें हाईलाइट करने का माध्यम बन गया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि बीएलओ पर बढ़ती धमकियों और हिंसा के कई मामलों में सिर्फ एक एफआईआर दर्ज है। याचिका में उठाई गई बाकी हिंसा की घटनाएं पुरानी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आम तौर पर चुनाव से पहले पुलिस प्रशासन सीधे चुनाव आयोग के नियंत्रण में नहीं दिया जाता। चुनाव आयोग के वकील ने भी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग का समर्थन किया। गौरतलब है कि इससे पहले 4 दिसंबर को बीएलओ की मौत पर तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टी टीवीके द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बीएलओ की मौतों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। कोर्ट ने कहा था कि बीएलओ पर बढ़ते काम के बोझ को कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती तत्काल की जानी चाहिए। देशभर में अब तक लगभग 35-40 बीएलओ अत्यधिक कार्यभार और तनाव के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। याचिकाकर्ताओं ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग की थी।

देश विचारों से बनता है और अविचारों से टूटता है: अवधेश प्रसाद

सपा सांसद ने वंदे मातरम् पर चर्चा पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी की फैजाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश विचारों से बनता है और अविचारों से टूटता है। सीएम योगी कहते हैं कि बंटोगे तो कटोगे, ये क्या है, देश वंदे मातरम से मजबूत होगा।

सपा सांसद ने वंदे मातरम् पर हुई चर्चा को लेकर कहा कि कल लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा हुई थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी शुरुआत की, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, हमारे नेता सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी अपने विचार रखे. मैंने भी वंदे मातरम पर अपने विचार रखे और अपने नेता व अन्य इंडिया गठबंधन नेताओं को सम्मत करते हुए अपने विचार रखे। अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश विचारों से बनता है और अविचारों से टूटता है। एक विचार ही था महात्मा गांधी जिनसे प्रभावित होकर कई सपूत खड़े हो गए और शहीद हो गए. देश अविचारों से टूटता है. हमारे देश में अनेकता में एकता का सूत्र मजबूत है। विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है, लड़ रहा है। अयोध्या में हमारी जीत से पता चलता है कि इस देश की राजनीति धर्म के आधार पर नहीं चल सकती, मेरी जीत से पूरे देश में संदेश गया है भाजपा वाले जनता को भ्रमित करते रहते हैं।

आपसी विवाद पैदा करवा रही हैं बीजेपी की सरकारें

इससे पहले सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में अपनी बात रखते हुए राम मंदिर में उन्हें न्योता नहीं देने पर भी केंद्र सरकार को घेरा, उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् इस देश की एकता, अखंडता.. आपसदारी और भाईचारे का संदेश है लेकिन, आज अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आज हमारी सरकार चाहे वो यूपी की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में या केंद्र सरकार हो वो भेद कर रही है और आपसी विवाद पैदा किया जा रहा है।

अंधेर नगरी चौपट राजा : अबू आजमी

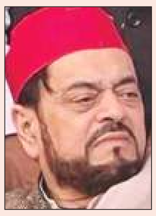

संसद में शुरू हुई 'वंदे मातरम् की पर बहस और अब अलग अलग राजनीतिक पार्टियों इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश में विकास की बजाय धार्मिक मुद्दों को उछाला जा रहा है और यह बिल्कुल सही नहीं है। आजमी ने आरोप लगाया कि मनमानी कार्रवाई, वोट चोरी और कानून व्यवस्था की बदहाली जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी हो रही है, जबकि वंदे मातरम् पर रोज बयानबाजी की जा रही है। अबू आजमी ने वंदे मातरम् को लेकर कहा, चर्चा तो विकास पर होना चाहिए, देश कर्ज में डूबता जा रहा है चर्चा उस पर होना चाहिए आप रोज वंदे मातरम् चिल्लाओ, कौन मना कर रहा है, लेकिन किसी के धर्म में दखल देना ठीक नहीं। उन्होंने आगे कहा, ये सरकार की मनमानी चल रही है, एकतरफा चल रहा है मामला, अभी वोट चोरी और एसआईआर का मामला चल रहा है, कोई सुनने को तैयार नहीं है, अंधेर नगरी चौपट राजा।

देश की प्रकृति की वंदना करता है वंदे मातरम् : इकरा हसन

यूपी की कैराना सीट से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने वंदे मातरम् का अर्थ समझाते हुए सरकार पर हमला बोला और कहा कि आज हमें गीत के भाव का समझना जरूरी है, ये गीत देश की प्रकृति की वंदना करता है। इकरा हसन ने वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिमों कठघरे में खड़ा करने पर भी सवाल उठाए और कहा कि हम भारतीय मुसलमान इंडियन बाय चाइस हैं, बाय चांस नहीं। वंदे मातरम के किन छंदों का अपनाया जाए ये फैसला नेताजी सुभाष चंद्र बोस और गुरू रविंद्रनाथ टैगोर के परामर्श से हुआ था क्या अब हम उन महान नायकों की समझ पर सवाल उठाएंगे? । सपा सांसद ने कहा कि उन महान हस्तियों में मातरम् के उन छंदों को अपनाया जिन्होंने देश के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। आज हमें इस गीत के भाव को समझना आवश्यक है। ये गीत देश के जल, जंगल जमीन, हरियाली और निर्मल हवा की वंदना को समर्पित है, ये भारत के जन-जन की मंगल कामना करता है कि भारत का हर नागरिक स्वस्थ रहे,सुरक्षित रहे और सम्मान के साथ जी सके। सुजलाम सुफलाम का अर्थ है ऐसा देश जहां पर्याप्त जल हो, जहां नदियां जिंदा हों। बहती हों और जीवन देती हों, लेकिन, अब यमुना का हाल देखिए।

लखनऊ की मेयर असम के लोगों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या बता रहीं : आलम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा इलाके में मेयर सुषमा खर्कवाल द्वारा असम के लोगों को रोहिंग्या बांग्लादेशी बता कर की गई कार्रवाई के खिलाफ यूपी प्रेस क्लब में शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ दक्षिणी की प्रेसवार्ता को लेकर शाहनवाज आलम प्रदेश सचिव ने मेयर पर लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया व कहा क्या असम में हुई एनआरसी गलत है जो उनके पास दस्तावेज हैं।

उधर उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए एक बार फिर एक सप्ताह का और समय मिलना लगभग तय है। बीएलओ की ओर से करीब 17.7प्रतिशत (पौने तीन करोड़) मतदाताओं के गणना फॉर्म इकट्ठा न हो पाने की रिपोर्ट दी गई है। उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार, इसे देखते हुए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने चुनाव आयोग से एसआईआर के लिए और समय देने का अनुरोध करने का फैसला किया है। नया फैसला 11 दिसंबर से पहले कभी भी आ सकता है। इससे पहले 30 नवंबर को गणना फॉर्म भरने की तिथि 4 दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर की गई थी। प्रदेश में 15.44 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम 97.3त्न पूरा हो चुका है। प्रदेश में 80त्न गणना फॉर्म वापस आ चुके हैं, जबकि 17.7त्न फॉर्म जमा हो पाने की स्थिति में ही नहीं हैं। यह आंकड़ा बड़ा है। इसलिए यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे इन फॉर्मों को संग्रहित करवाने में मदद करें। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेक कराएं कि क्या वाकई इन फॉर्मों के वापस आ पाने की स्थिति नहीं है।

गिद्दड़बाहा से भी लड़ूंगा चुनाव: सुखबीर बादल

» शिअद प्रधान का एलान, पार्टी कार्यालय का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गिद्दड़बाहा (मुक्तसर) । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आगामी विधानसभा चुनाव में गिद्दड़बाहा सीट से भी चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। हालांकि अभी विधानसभा चुनाव में समय है, मगर शिअद ने चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को गिद्दड़बाहा में पार्टी दफ्तर का उद्घाटन किया। अभी तक सुखबीर बादल जलालाबाद से चुनाव लड़ते रहे हैं।

सुखबीर बादल ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मांग को देखते हुए ही उन्होंने गिद्दड़बाहा से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इस मौके उन्होंने कहा कि हरदीप सिंह ढिल्लों सहित पार्टी के साथ विश्वासघात करने वाले नेताओं को पार्टी में कभी वापिस नहीं लिया जाएगा। सुखबीर बादल ने हलके से ब्लॉक समिति और जिला परिषद चुनाव लड़ रहे पार्टी उम्मीदवारों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज चुनाव पार्टी के लिए अग्नि परीक्षा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इन चुनावों में पार्टी उम्मीदवार शानदार जीत हासिल करें। पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के 98वें जन्म दिवस मौके सोमवार को उनके पैतृक गांव बादल में 12.5 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस मूर्ति को मूर्तिकार गुरप्रीत सिंह धुरी ने बनाया है। मूर्ति के साथ शिरोमणि अकाली दल का 70 फुट ऊंचा एक विशाल झंडा भी लगाया गया है। इस मौके आयोजित समारोह में विभिन्न नेताओं ने मरहूम नेता प्रकाश सिंह बादल को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके सरदार प्रकाश सिंह बादल अमर रहे के नारे गूंज उठे।

प्रकाश सिंह बादल सच्चे विकास पुरुष

इस मौके शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने पिता को याद करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्रवादी और पंजाब की आवाज बताया। साथ ही हमेशा पिता के नक्शेकदम पर चलने, पंजाब, पंजाबियों, खालसा पंथ और शिअद की इज्जत से कभी समझौता न करने का संकल्प लिया। सुखबीर बादल ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल सच्चे विकासपुरुष थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर अपने समय में राज्य के सभी मुख्यमंत्रियों से ज्यादा काम किया। यही वजह है कि हर वर्ग और धर्म के लोग आज भी उन्हें याद करते हैं।

भाजपा हार के डर से वोट काटने का अपना रही हथकंडा: लीलावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) ने एसआईआर सप्लीमेंट्री इलेक्टोरल रोल) कार्यक्रम को गति देने के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व मंत्री और पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा प्रदेश प्रभारी के रूप में उपस्थित थीं।

इस दौरान लीलावती कुशवाहा ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद भाजपा सपा के वोट काटने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है। कुशवाहा ने दावा किया कि गरीब पीडीए समाज भाजपा की चाल को समझ चुका है और एसआईआर के माध्यम से उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं से अपने-अपने बूथ पर एसआईआर फॉर्म भरवाकर जमा करने और उसकी रसीद प्राप्त करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव, पूर्व विधायक अनूप संडा, भगेलू राम, जितेंद्र पूर्व विधायक अरुण वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव, जिला उपाध्यक्ष छात्र सभा विजय यादव, यूथ अध्यक्ष रामप्रकाश मौर्या सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी में जदयू के कार्यकर्ताओं को नहीं मिल रहा सम्मान: श्रवण कुमार

यूपी के प्रदेश अध्यक्ष बोले- सरकार से हम पूरी तरह से निराश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनता दल यू के प्रदेश प्रभारी व बिहार सरकार में ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि यूपी के कार्यकर्ता निराश हैं। निश्चित रूप से एनडीए में उन्हें अपेक्षित तवज्जो नहीं मिल रही है। वे और पार्टी इस पर प्रदेश सरकार से बात करेंगे। वे प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद प्रेसवार्ता कर रहे थे। दूसरे प्रदेश से भी राज्यसभा सदस्य होने और यूपी में कोई प्रतिनिधित्व न मिलने पर उन्होंने कहा कि यूपी के बारे में निर्णय पार्टी लेगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी यूपी में पंचायत चुनाव में उतरेगी। स्नातक चुनाव लड़ने पर पर भी जल्द होगा निर्णय। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल पर बिहार के सीएम ने खुद निर्णय लिया है।

उसमें कोई विवाद नहीं है। नीतिश के बेटे के राजनीति में आने पर उन्होंने कहा कि इस पर जनता निर्णय लेगी। वह चाहती है कि उनको आगे आना चाहिए। प्रदेश प्रभारी ने बताया कि आज से प्रदेश में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई है। बैठक में उन्होंने संगठन की समीक्षा की है। कमियों को ठीक करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कुछ घटना हुई है। इसमें प्रदेश सरकार से कार्यवाही की मांग की गई है। पार्टी यूपी में संगठन को मजबूत करेगी। इसके लिए हर जिले व विधानसभा में प्रभारी तैनात होगा।

धनंजय सिंह अब पार्टी में नहीं हैं

जहरीले सिरप कांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह का नाम आने व पार्टी में उनके राष्ट्रीय महासचिव हैं या नहीं? के बारे में पूछे जाने पर प्रदेश प्रभारी ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। वे इसकी जांच करके बताएंगे। सिरप मामले में पार्टी शीर्ष नेतृत्व को जानकारी होगी। हालांकि मामले को संभालते हुए प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल ने कहा कि धनंजय सिंह लोकसभा चुनाव के बाद से पार्टी में नहीं हैं। न कभी किसी कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव के बाद आज मासिक बैठक हुई है। इसमें हर जिले में प्रभारी नियुक्त करने का निर्णय हुआ है। हम ग्राम पंचायत चुनाव मजबूती से लड़ेंगे। अभी पार्टी अकेले तैयारी कर रही है। गठबंधन पर पार्टी का जो भी निर्णय होगा, वह मान्य होगा।

जम्मू-कश्मीर में उमर के बयान पर रार

पीडीपी व पीपुल्स पार्टी ने सीएम पर साधा निशाना

» पढ़े-लिखे युवाओं की मानसिकता पर चिंता बढ़ी

» राहुल को लेकर भाजपा ने भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में जबसे नई सरकार आई है वहां की सियासत भी नए प्रकार की हो गई है। कहने को तो नेशनल कांफ्रेंस की सरकार कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ी थी पर दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रही है। राज्य के सीएम समय-समय पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर वार करते रहते हैं। इसी वजह से उन भाजपा के बरीब जाने को आरोप उनके विपक्षी लगाते रहते हैं। हालांकि उन्होंने इन सब बातों का बार-बार खंडन किया है। मगर उमर अब्दुल्ला का अपने पिता से ईवीएम मामले में जब असहमति सतह पर आ गई तो नेंका की कथनी और करनी पर सवाल उठना लाजमी है।

वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा आतंकी नेटवर्क के खुलासे में 'नाराज प्रेमिका' का उल्लेख किए जाने पर राजनीतिक बहस छिड़ गई, जिस पर महबूबा मुफ्ती और सज्जाद लोन ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हे घेर लिया है। बता दें मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के एक कार्यक्रम में सफेदपोश आतंक नेटवर्क के उजागर होने के पीछे एक नाराज प्रेमिका का जिक्र करके नई बहस छेड़ दी है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पढ़े-लिखे युवाओं की मानसिकता पर चिंता जताई है, वहीं पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने मुख्यमंत्री की बात पर प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने समिट में आयोजित कार्यक्रम में गिरफ्तारियों की शुरुआती कड़ी के बारे में बताया था। उधर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की इंडिया ब्लॉक पर टिप्पणी ने बीजेपी को बैठे-बिठाए कांग्रेस पर हमला करने का मौका दे दिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस लीडर राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। उमर ने हाल ही में कहा था कि इंडिया ब्लॉक को लाइफ सपोर्ट पर है। बीजेपी प्रवक्ता ने दावा किया कि इससे लोकसभा नेता प्रतिपक्ष के बारे में अलायंस का नजरिया सामने आता है कि वह पॉलिटिकल फेलियर हैं और गठबंधन को लीड करने के लायक नहीं हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस पूरे प्रकरण में डॉक्टर को किया गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस पूरे प्रकरण में डॉक्टर मुजम्मिल गनई को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया था। उसकी पहचान पर एक महिला डॉक्टर समेत आठ आरोपियों को उत्तर प्रदेश से पकड़ा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इनके कब्जे से एके-47 और 2900 किलो विस्फोटक बरामद किया। इस मामले की पड़ताल के दौरान दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक के पास गाड़ी में विस्फोट हुआ था। और उसमें 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बाद इस मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई।

उमर के बयान पर भाजपा का वार

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी पर जवाब देते हुए भंडारी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस लीडर की बातें अलायंस के अंदर भरोसे की कमी को दिखाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का पब्लिकली बचाव करने के बावजूद, अलायंस के पार्टनर्स प्राइवेटली मानते हैं कि वह ब्लॉक की चुनावी हार के लिए जिम्मेदार हैं। भंडारी ने कहा कि यह राहुल गांधी की लीडरशिप वाले इंडिया ब्लॉक के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा है। आज, उमर अब्दुल्ला और अलायंस में उनके कई पार्टनर दावा कर रहे हैं कि राहुल गांधी अलायंस

के लीडर बनने के लायक नहीं हैं। इस बयान से यह भी साबित होता है कि राहुल के वोट चोरी और ईवीएम या एसआईआर पर सवाल उठाने के बावजूद, अलायंस का हिस्सा और पावर में शामिल हर कोई, चाहे वह हेमंत सोरेन हों या उमर अब्दुल्ला, अंदर ही अंदर इस बात से सहमत हैं कि राहुल गांधी की वजह से कांग्रेस और अलायंस की दूसरी पार्टियां कोई भी चुनाव नहीं जीत सकतीं।

नाराज प्रेमिका की शिकायत पर खुला नेटवर्क

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक कार्यक्रम में कहा था कि एक लड़की जो अपने पूर्व प्रेमी से नाराज थी, उसकी वजह से नेटवर्क का खुलासा हुआ है। उसने पुलिस को जाकर बताया कि पोस्टर लगाने में जिस युवक की तलाश हो रही है उसे वो जानती है और उसने लड़के के बारे में पुलिस को सारी जानकारी दे दी। पुलिस ने श्रीनगर से आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। जब आरोपी को पकड़ा गया तो उसने बताया कि वह अकेला नहीं है। इस कृत्य में मौलवी भी शामिल है। उसकी निशानदेही पर पुलिस मौलवी के पास पहुंच गई। पुलिस ने जब मौलवी को पकड़ा तो पूछताछ में उसने डॉक्टर के शामिल होने का खुलासा कर दिया। पुलिस इसके बाद डॉक्टर के पास पहुंच गई। अब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की बात से पूरे मामले पर नए सिरे से चर्चा हो रही है।

कश्मीर के युवाओं को दिल से जोड़ने की जरूरत : महबूबा

पीडीपी महबूबा मुफ्ती ने कहा, युवा दबाव से नहीं खुशी से सिर उठाकर जीना चाहते हैं। नौजवानों के साथ दिल जोड़ने की जरूरत है। कोशिश करेंगे एक पुल बनाने की। बंदूक छोड़ दी, पत्थर छोड़ दिए अब पढ़े-लिखे युवा आत्मघाती क्यों बन रहे हैं, इसे समझने की जरूरत है। पीडीपी बात करना चाहती है कि उन्हें कौन सी तकलीफ है जो मौत को गले लगाने को तैयार हैं।

मुख्यमंत्री को ऐसी बातें शोभा नहीं देती हैं : सज्जाद लोन

जम्मू-कश्मीर पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष व विधायक सज्जाद लोन ने कहा कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री को ऐसी बातें शोभा नहीं देती हैं। उन्होंने कहा वह क्या कहना चाह रहे हैं, यह साफ नहीं है। उनकी इस टिप्पणी से घृणा फैल सकती है। उनकी यह बात किसी भी रूप में प्रिय नहीं हो सकती है। सज्जाद लोन ने मुख्यमंत्री के समिट में दिए बयान को भी ट्वीट किया है।

राहुल गांधी एक पॉलिटिकल फेलियर

बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि आज यह साफ है कि कांग्रेस के अलावा, गठबंधन की बाकी सभी पार्टियां सोचती हैं कि राहुल गांधी एक पॉलिटिकल फेलियर हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अलायंस पहले ही खत्म हो चुका है, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस लीडर ने कहा, हम एक तरह से लाइफ सपोर्ट पर हैं। लेकिन कभी-कभी, कोई हमें वो पैडल लाता है और हमें थोड़ा झटका देता है, और हम फिर से उठ खड़े होते हैं।

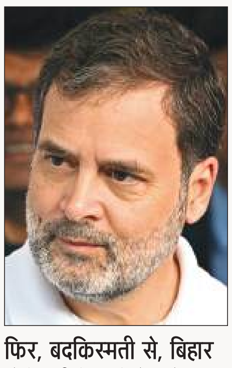

फिर, बदकिस्मती से, बिहार जैसे नतीजे आते हैं, और हम फिर से नीचे गिर जाते हैं, और फिर किसी को हमें संभालना पड़ता है।

सरकार के बचे हुए चार साल जनता को देने होंगे : फारूक अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जनता से समर्थन की अपील की और माना कि पार्टी पिछले एक साल में लोगों के लिए कुछ खास हासिल नहीं कर पाई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी संस्थापक शेख अब्दुल्ला की 120वीं जयंती पर बोलते हुए, फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने एक साल में लोगों के लिए कुछ खास नहीं किया, लेकिन हमारे पास विकास के लिए चार साल और हैं, और लोगों को हमारा समर्थन करना चाहिए और हमें मजबूत करना चाहिए।दिवंगत शेख अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक प्रमुख हस्ती थे। फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हजरतबल के नसीम बाग स्थित उनके अंतिम विश्राम स्थल पर शेख अब्दुल्ला को पुष्पांजलि अर्पित की। इस बीच, गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घोषणा की कि सरकार ने

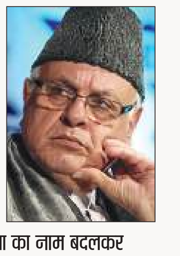

एसआरओ-43 योजना का नाम बदलकर पुनर्वास सहायता योजना (आरएएस) कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत कश्मीर प्रांत के लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं और अब तक 60 नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं।पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने आश्वासन दिया कि आरएएस योजना के तहत, यदि किसी सरकारी कर्मचारी की सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत जम्मू में भी इसी तरह का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अब्दुल्ला ने कहा कि यह योजना, जिसे पहले एसआरओ-43 के नाम से जाना जाता था, अब आरएएस (पुनर्वास सहायता योजना) के नाम से जानी जाती है। इसके तहत, सरकार अपने सभी कर्मचारियों को आश्वासन देती है कि, ईश्वर न करे, यदि सेवाकाल के दौरान किसी की मृत्यु हो जाती है, तो उनके परिवार के किसी सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसी के तहत, कश्मीर प्रांत के लिए आदेश तैयार किए गए और 60 नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कल, जम्मू में भी इसी तरह का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

देश में बढ़ रही हिंसक प्रवृति खतरनाक

पिछले दशक में देश में डिप्रेशन की तरह ही हिंसक प्रवृति बढ़ रही है। सबसे ज्यादा यह आदत युवा व किशोरों में देखने में ज्यादा आ रही है। मनावैज्ञानिकों कहना है कि क्रोध को नियंत्रित करने में सहानुभूति और समझ की अहम भूमिका होती है। आपसी जुड़ाव बढ़ाने और निराशा को कम करने के लिए जरूरी है कि लोग एक दूसरे की बातों को सक्रिय रूप से सुनें। एक-दूसरे की भावनाओं और नजरिए को समझने की कोशिश करें। प्रतिक्रिया देने से पहले कुछ देर सोचे। क्रोध के दौरान सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया देने से आपसी विश्वास बढ़ता है। सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने से बातचीत विरोध से सहयोग की दिशा में आगे बढ़ती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। गुस्से से बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिए आत्म-नियंत्रण, गहरी सांस व ध्यान जैसी तकनीकों का अभ्यास कारगर होता है। संवाद और समझ बढ़ाना, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच को विकसित करना, क्रोध के कारणों की पहचान करना जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर मनोवैज्ञानिक परामर्श लेना अत्यंत आवश्यक है। परिवार और समाज में शांत, सहानुभूतिपूर्ण माहौल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गुस्से से बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए श्वसन-तकनीक अपनाना सबसे कारगर उपाय है। इसेक अलावा सकारात्मक ऊर्जा, स्वस्थ पारिवारिक संवाद, सामाजिक काउंसलिंग होनी चाहिए। स्कूलों में भावनात्मक शिक्षा जरूरी है। समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता व नियमित अनुशासित जीवनशैली से आक्रामक व्यवहार प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। विनम्रता और सहनशीलता ही युवा वर्ग में बढ़ती गुस्सा एवं हिंसक प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। अभिभावक बच्चों को अनुशासित, विनम्र एवं नैतिक रहना अवश्य सिखाएं। वर्तमान समय में सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को लेकर नियमित चर्चा की जानी चाहिए। इस पर प्रसारित हिंसक सामग्री पर नियमित रूप से निगरानी होनी चाहिए। गुस्से से बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिए मन और शरीर को शांत करना आवश्यक है। गहरी सांस लेना, धीरे-धीरे टहलना, ध्यान करना और गुस्से के शुरुआती संकेत पहचानकर स्थिति से दूर हट जाना प्रभावी उपाय हैं। उलटी गिनती करना, शांत संगीत सुनना या किसी अन्य गतिविधि में ध्यान लगाना भी गुस्से की तीव्रता कम करता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि गुस्सा आने पर शरीर में क्या परिवर्तन होते हैं और उन्हें पहचानते ही तुरंत कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर पेशेवर सहायता लेना भी लाभकारी होता है।

" गुस्से से बढ़ती हिंसक प्रवृति को नियंत्रित करने के लिए आत्म-नियंत्रण, गहरी सांस व ध्यान जैसी तकनीकों का अभ्यास कारगर होता है। संवाद और समझ बढ़ाना, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच को विकसित करना, क्रोध के कारणों की पहचान करना जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विक्रम-1 ने खोला भारत का नया अंतरिक्ष युग

पीके जोशी

प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में स्काईरूट एयरोस्पेस के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का अनावरण सिर्फ एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह भारत की उस अडिग उड़ान का प्रतीक बन गया है, जहां देश अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में तेजी से वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। विक्रम-1, जिसका नाम भारत के महान वैज्ञानिक और अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है, आत्मनिर्भर भारत की मूल भावना, विकसित भारत, 2047 के लक्ष्य और विश्व गुरु बनने की भारतीय आकांक्षा का सम्मिलित प्रतीक है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा हमेशा संघर्ष और संकल्प की कहानी रही है। वर्ष 1963 में केरल के थुंबा में एक चर्च के छोटे से परिसर से भारत ने अपना पहला रॉकेट लॉन्च किया था। साधन सीमित थे, पर हौसला अपार था।

वैज्ञानिक साइकिलों पर रॉकेट के हिस्से ढोते थे, हाथों से लॉन्च पैड तैयार करते थे और एक-एक प्रयोग को अपनी मेहनत और धैर्य से सफल बनाते थे। इन्ही शुरुआती प्रयासों ने इसरो जैसी संस्था को जन्म दिया। समय के साथ भारत की उपलब्धियां दुनिया को चौंकाने लगीं। इनसैट (आइएनएसएटी) और आइआरएस जैसे उपग्रहों ने संचार, मौसम विज्ञान और संसाधन मानचित्रण की दिशा बदल दी। चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की खोज कर इतिहास रच दिया। मंगलयान मिशन ने भारत को वह अनोखा स्थान दिया जहां कोई भी देश पहली कोशिश में नहीं पहुंच पाया था। और 2023 में जब चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक लैंडिंग की, तो भारत न केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल कर रहा था, बल्कि दुनिया को अपने तकनीकी परिपक्तता का संदेश भी दे रहा था। अब इस विकास यात्रा में एक और नया अध्याय जुड़ चुका है- निजी अंतरिक्ष कंपनियों का। स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस जैसी स्टार्टअप कंपनियां भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में नयी ऊर्जा, नयी गति और नयी संभावनाएं ला रही हैं। विक्रम-1 इसी परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। भारत का पहला निजी ऑर्बिटल क्लास रॉकेट होने के नाते यह मात्र एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, ऐतिहासिक बदलाव है, जो दिखाता है कि भारतीय युवाओं और भारतीय नवाचार में वह क्षमता है, जो दुनिया के बड़े देशों को चुनौती दे सकती है। विकसित भारत, 2047 के संकल्प में यही कारण है कि भारत ने तीस से अधिक देशों के उपग्रह लॉन्च किये हैं और विकासशील देशों को सैटेलाइट आधारित संचार, जलवायु सूचना और आपदा प्रबंधन में सहायता प्रदान की है। भारत जब वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तो उसका लक्ष्य किसी पर प्रभुत्व जमाना नहीं, बल्कि पूरी मानवता को आगे ले जाना है। आत्मनिर्भर भारत का वास्तविक अर्थ केवल घरेलू निर्माण नहीं, तकनीकी स्वतंत्रता, बौद्धिक क्षमता व वैश्विक नेतृत्व है। इस नये अंतरिक्ष युग का सबसे उत्साहजनक पहलू है देश के युवाओं की भूमिका।

अंतरिक्ष विज्ञान की भूमिका निर्णायक होने वाली है। भविष्य में उन्नत उपग्रह भारत को मौसम पूर्वानुमान, कृषि सुधार, जल प्रबंधन और आपदा चेतावनी में दुनिया के अग्रणी देशों में ला खड़ा करेंगे। मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान भारत को अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की दिशा में आगे ले जायेगा। शुक्रयान जैसे मिशन और क्षुद्रग्रहों के अध्ययन जैसे अभियान भारत को गहरे अंतरिक्ष अनुसंधान में नयी पहचान देंगे। निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका इस यात्रा को और तेज करेंगी- वे नये रॉकेट बनायेंगी, सस्ते और विश्वसनीय लॉन्च समाधान तैयार करेंगी, और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं का एक विशाल बाजार भारत में विकसित करेंगी। भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक भी है। भारत हमेशा ज्ञान को साझा करने और मानवता को ऊपर उठाने में विश्वास रखता आया है। विक्रम-1 जैसे प्रोजेक्ट यह संदेश देते हैं कि अंतरिक्ष विज्ञान अब कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं है। आज युवा एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम संचार, अंतरिक्ष सामग्री विज्ञान और स्पेस मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। स्टार्टअप संस्कृति उन्हें स्वयं तकनीक विकसित करने का मौका दे रही है। अंतरिक्ष तकनीक का प्रभाव आज देश के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। कृषि में उपग्रह आधारित जानकारी से फसल की सेहत, सिंचाई और कीट नियंत्रण पर बेहतर निर्णय लिये जा सकते हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन से लोगों को विशेषज्ञ इलाज मिल सकता है। सैटेलाइट इंटरनेट से हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करायी जा सकती है। पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन पर निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा- सभी क्षेत्रों में अंतरिक्ष आधारित तकनीक महत्वपूर्ण है।

वायु प्रदूषण के लिए हम सब जिम्मेदार

डॉ अनिल प्रकाश जोशी

हमारी पारिस्थितिकी का भविष्य क्या होने वाला है, इसकी चिंता अब सबको हो जानी चाहिए। विडंबना यह है कि प्रकृति और पर्यावरण से हमने ऐसा कोई संबंध नहीं रखा, ताकि हम यह सोच सकें कि इसके बिना सब शून्य है। अगर हम अपनी कोई भी गतिविधि देखें, तो पायेंगे कि किसी न किसी रूप में ये सब प्रकृति से जुड़ी ही होती हैं। गतिविधियां चाहे शारीरिक हों, मानसिक हों या भौतिक- इन सबका सीधा संबंध वस्तुत: हमारी प्रकृति से ही है। दुर्भाग्य यह है कि हम अब आवश्यकताओं और आरामतलबी में इस तरह से घिर गये हैं कि कोई भी प्रयास या सही सोच प्रकृति और पर्यावरण के प्रति विकसित ही नहीं कर पा रहे। यह विडंबना ही है कि जब हम एक भी पल बिना सांस और बिना प्राणवायु के नहीं रह सकते, तब भी हम इसके प्रति गंभीर नहीं हैं।

इसी तरह 'बिन पानी सब सून' जैसे मुहावरे से तो परिचित हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में सच्चाई की हम कल्पना नहीं करना चाहते। भोजन का ही उदाहरण लीजिए- यदि किसी तरह तीन-चार दिन भोजन न मिले, तो शरीर का सारा तंत्र बिखर जायेगा, यह हम सब जानते हैं। लेकिन इन तीनों के प्रति हम कितनी चिंता करते हैं, यह भी जान रहे हैं। इसका उत्तर किसी सरकार को नहीं देना, बल्कि हम सबको देना है, क्योंकि सरकार तो हम ही बनाते हैं। यदि हम ही चिंता नहीं करेंगे, तो यह सरकार की चिंता का हिस्सा भी नहीं बन सकता। अब वायु प्रदूषण से संबंधित जो ताजा वैश्विक रिपोर्ट आयी है, उसमें एक बार फिर हमारी स्थिति ही सबसे बदतर पायी गयी है। दुनिया के 40 शीर्ष प्रदूषित शहरों में भारत ही आता है। यह वही ढर्रा है, जो लगातार पिछले कई वर्षों से जारी है। पिछले दशक को भी देखें, तो भारत की राजधानी और बड़े शहर अधिकांशत: सबसे प्रदूषित श्रेणी में ही दर्ज थे। हम सबकी जानकारी में यह सब कुछ है, लेकिन विडंबना यह है कि जानते हुए भी हम इस पर कभी गंभीरता से सोचते नहीं हैं।

यही इसका सबसे गंभीर पहलू है। प्रदूषित हवा में मौजूद अवयव और तत्व धीमे जहर की तरह हैं, जो हर क्षण हमारे शरीर में प्रवेश करते रहते हैं, लेकिन चूंकि यह मनुष्य को सेकंडों में नहीं मारता, इसलिए हम इसकी गंभीरता को समझना ही नहीं चाहते। मौजूदा स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि हम आने वाले समय को कैसे देखें? या तो जो कुछ चल रहा है, उसे इसी तरह चलने दें। वैसे में, धीरे-धीरे यह दुनिया गैस चैंबर में बदल जायेगी, और फिर एक दिन हम सब के अस्तित्व पर संकट के बादल घिर जायेंगे। या फिर, यदि ऐसा लगता हो कि इस तरह की दमघोंटू स्थिति से मुक्त होना है, तो गंभीरता से सोचना होगा कि हमारे लिए बड़े कदम क्या होने चाहिए। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि जिन तीन महत्वपूर्ण प्राकृतिक प्रसादों से हमारा जीवन संभव था, उन्हें हमने विषाक्त कर दिया। मिट्टी विषैली हो गयी, पानी प्रदूषित हो चुका है, और हवा हमारी पकड़ से बाहर जा चुकी है।

इन तीनों में भी प्राणवायु हमारे लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि इसका नाम ही प्राण से शुरू होता है और इसका अर्थ भी स्पष्ट है कि बिना प्राणवायु के हम नहीं जी सकते। और उसी की हालत ऐसी हो जाये और हम तब भी भयभीत न हों, तो पूरी मानव जाति के लिए इससे बड़ा अपराध और विडंबना क्या हो सकती है? वायु प्रदूषण के जो आंकड़े सामने आये हैं, वे चयनित शहरों और देशों के आधार पर हैं। लेकिन यदि हम पूरे देश की परिस्थिति देखें, तो इस देश का कोई भी शहर ऐसा नहीं है, जो प्रदूषण से मुक्त हो, और इनमें पीएम 2.5 की बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। अकेले दिल्ली की ही यदि बात करें, तो इसके कई इलाकों में पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सुरक्षित सीमा से 20 गुना ज्यादा पाया गया है, जिसके कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा है और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तहत प्रतिबंध फिर से लागू करने पड़े हैं। पीएम 2.5 कण वे हैं, जो छोटे-छोटे विषैले तत्वों से मिलकर बनते हैं, और इनमें जलकण भी होते हैं, जो इन्हें बांध कर रखते हैं। लेकिन जब ये शरीर में प्रवेश करते हैं, और लंबे समय तक ऐसी ही परिस्थितियों में व्यक्ति रहता है, तो वह कई तरह की बीमारियों का शिकार जाता है। और अगर कोई व्यक्ति पहले से ही किसी बीमारी की चपेट में है, तो यह बीमारियों को और भी बढ़ा देता है और जीवन तेजी से क्षीण होने लगता है, क्योंकि नाइट्रस ऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड- ये सभी अत्यंत घातक गैसें हैं, जो वायु को विषाक्त बनाती हैं।

इनके स्रोत भी अब अनगिनत हो चुके हैं, जैसे- बढ़ती गाड़ियों की संख्या, जगह-जगह सड़क निर्माण और हमारी विलासिता से जुड़े तमाम गैजेट्स और अन्य गतिविधियां। इस तरह हमारी लगभग हर गतिविधि किसी न किसी रूप में वायु प्रदूषण या अन्य प्रदूषणों का स्रोत बनती जा रही है। सरकारें अपनी तरफ से प्रयत्न करती हैं, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि प्रदूषण पर अंकुश लगाना केवल सरकार के बस की बात नहीं है। प्रकृति सबकी है, इसलिए जब तक सबका व्यवहार इसकी बेहतरी की दिशा में नहीं होगा, तब सरकारें भी निरुत्तर और असहाय हो जायेंगी। यदि हम अपने व्यवहार पर नजर डालें, तो पता चलेगा कि हमने अपनी जीवनशैली ऐसी बना ली है कि यह जानते हुए भी, कि ऐसा जीवन न खुद के लिए अच्छा है, न समाज के लिए, और न ही आने वाले समय के लिए, फिर भी मौजूदा जीवनशैली से हम मुक्त नहीं हो पा रहे हैं।

हमारी गलत आदतों के कारण हो रहा डायबिटीज

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है जिसने भारत को डायबिटीज कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड बना दिया है। वैश्विक डायबिटीज के मामलों का एक बड़ा हिस्सा भारत से आता है, और यह सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और समाज पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक (चयापचय) बीमारी है, जो शरीर में ग्लूकोज (शुगर) के स्तर को प्रभावित करती है। ग्लूकोज हमारे शरीर का प्रमुख ऊर्जा स्त्रोत है और जो हम खाते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा ग्लूकोज में बदलता है। जब शरीर इस ग्लूकोज का सही ढंग से उपयोग नहीं कर पाता, तो यह रक्त में जमा हो जाती है, जिससे डायबिटीज जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न होती है। डायबिटीज मुख्य रूप से इंसुलिन के असंतुलन से होती है। इंसुलिन एक हार्मोन है, जो अग्न्याशय द्वारा बनाया जाता है और इसका काम ग्लूकोज को कोशिकाओं में पहुंचाना है, ताकि यह ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल हो सके। जब शरीर इंसुलिन का सही तरीके से उत्पादन या उपयोग नहीं कर पाता, तो ग्लूकोज कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाती और रक्त में जमा होने लगती है। यह स्थिति तब डायबिटीज का रूप ले लेती है।

असंतुलित आहार

ज्यादा चीनी, प्रोसेस्ड फूड और कम पोषक तत्वों वाले आहार डायबिटीज को बढ़ावा देते हैं। भारत में हर 4 में से 1 व्यक्ति प्रोसेस्ड फूड का सेवन रोजाना करता है, जिससे शरीर में चीनी की मात्रा बढ़ जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि अपने आहार में हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और प्रोटीन को शामिल करें और चीनी तथा प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं।

बदलती जीवनशैली

बदलते समय के साथ हमारा जीवनशैली भी बदल रही है। जंक फूड और फास्ट फूड का अधिक सेवन, शारीरिक गतिविधियों की कमी, और देर तक बैठे रहने की आदत डायबिटीज को बढ़ावा दे रही है। शहरी इलाकों में 40 प्रतिशत से ज्यादा लोग हर दिन जंक फूड का सेवन करते हैं, जो उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है, खासकर ब्लड शुगर पर। इस समस्या को रोकने के लिए जरूरी है कि हम अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों को शामिल करें। लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें, थोड़ी देर चलें और नियमित व्यायाम को अपनी आदत बनाएं।

मानसिक स्वास्थ्य

आधुनिक जीवन में बढ़ता तनाव सीधे तौर पर ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित करता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में हार्मोनल असंतुलन होता है, जो डायबिटीज को बढ़ावा दे सकता है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि तनाव डायबिटीज के खतरे को लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। तनाव को कम करने के लिए योग, मेडिटेशन और तनाव-प्रबंधन की तकनीकों का इस्तेमाल करें। ये मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को बेहतर बनाने में सहायक हैं।

अनुवांशिक कारण

डायबिटीज का एक कारण हमारे जीन भी हो सकते हैं। यदि परिवार में किसी को डायबिटीज है, तो अन्य सदस्यों में इसके होने का खतरा लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इसलिए जिनके परिवार में डायबिटीज का इतिहास है, उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच करवानी चाहिए और अपनी जीवनशैली को स्वस्थ बनाकर इस जोखिम को कम करने का प्रयास करना चाहिए।

शारीरिक गतिविधियों में कमी

टेक्नोलॉजी की सुविधा के चलते लोग शारीरिक गतिविधियों से दूर हो गए हैं। निष्क्रिय जीवनशैली के कारण डायबिटीज का खतरा बढ़ रहा है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि भारतीय औसतन रोजाना सिर्फ 3,000 कदम चलते हैं, जबकि स्वास्थ्य के लिए रोजाना 10,000 कदम की जरूरत होती है। रोजाना 30 मिनट का व्यायाम, चाहे वो वॉक हो, जॉगिंग हो या योग, आपकी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी है।

हंसना मना है

मंटू- अरे मोनू तू इतना मोटा कैसे हो गया? चंटू- हमारे घर में फ्रिज नहीं है न। मंटू- तो चंटू- कुछ बचा नहीं सकते, सब खाना पड़ता है।

नंदू- यार कुछ पैसे उधार दे दे। पप्पू- क्या हुआ यार सब ठीक ठाक, नंदू- बीवी की उधारी चुकानी है। पप्पू- मतलब, नंदू- मुसीबत में भी बीवी से कभी पैसे उधार लिए थे। लेकिन अब समझ आ गया कि कभी भी बीवी से पैसे उधार नहीं लेने चाहिए। मैंने दो साल पहले 30 हजार लिए थे! 50 हजार दे चुका हूं, अभी भी 30 बाकी हैं, पता नहीं कौन सा हिसाब लगाती हैं।

बिट्टू ऑफिस में लेट पहुंचा। बॉस- कहां थे अब तक? बिट्टू - जी वो गर्लफ्रेंड को कॉलेज छोड़ने गया था, बॉस- शटअप, कल से ऑफिस टाइम से आना नहीं तो खैर नहीं, बिट्टू - ठीक है तो अपनी बेटी को खुद ही कॉलेज छोड़ देना। बॉस बेहोश!

डॉक्टर ने महिला को डाइटिंग टिप्स दिए, ऐसी चीजों से दूर रहें, जो तुम्हें मोटा बनाती हो। महिला-जैसे? डॉक्टर - जैसे कि वजन तोलने वाली मशीन, शीशा, तस्वीरें और सबसे जरूरी पतले दोस्त।

कहानी | भेड़िया आया

एक गांव में एक चरवाहा के पास कई सारी भेड़ थीं, जिन्हें हर रोज सुबह वह जंगल ले जाता और शाम तक वापस घर लौट आता। पूरा दिन भेड़ घास चरतीं और चरवाहा बैठा-बैठा ऊबता रहता। एक दिन उसे एक नई शरारत सूझी। उसने सोचा, क्यों न इस बार मनोरंजन गांव वालों के साथ किया जाए। यही सोच कर उसने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया बचाओ-बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया। उसकी आवाज सुन कर गांव वालें लाठी और डंडे लेकर दौड़ते हुए उसकी मदद करने आए। जैसे ही गांव वालें वहां पहुंचे, उन्होंने देखा कि वहां कोई भेड़िया नहीं है और चरवाहा पेट पकड़ कर हंस रहा था। मैं तो मजाक कर रहा था। उसकी ये बातें सुन कर गांव वालों का चेहरा गुस्से से लाल-पीला होने लगा। एक आदमी ने कहा कि हम सब अपना काम छोड़ कर, तुम्हें बचाने आए हैं और तुम हंस रहे हो? कुछ दिन बीतने के बाद, गांव वालों ने फिर से चरवाहे की आवाज सुनी। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, बचाओ। यह सुनते ही, वो फिर से चरवाहे की मदद करने के लिए दौड़ पड़े। वो देखते हैं कि चरवाहा गांव वालों की तरफ देख कर जोर-जोर से हंस रहा है। इस बार गांव वालों ने चरवाहे को खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चरवाहे को अक्ल न आई। अब गांव वालों ने चरवाहे की बात पर भरोसा करना बंद कर दिया था। एक दिन गांव वाले अपने खेतों में काम कर रहे थे और उन्हें फिर से चरवाहे के चिल्लाने की आवाज आई। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया बचाओ, लेकिन इस बार किसी ने भी उसकी बात पर गौर नहीं किया। सभी आपस में कहने लगे कि इसका तो काम ही है दिन भर यूं मजाक करना। चरवाहा लगातार चिल्ला रहा था, अरे कोई तो आओ, मेरी मदद करो, इस भेड़िए को भगाओ, लेकिन इस बार कोई भी उसकी मदद करने वहां नहीं पहुंचा। चरवाहा चिल्लाता रहा, लेकिन गांव वालें नहीं आए और भेड़िया एक-एक करके उसकी सारी भेड़ों को खा गया। यह सब देख चरवाहा रोने लगा। जब बहुत रात तक चरवाहा घर नहीं आया, तो गांव वाले उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि चरवाहा पेड़ पर बैठा रो रहा था। गांव वालों ने किसी तरह चरवाहे को पेड़ से उतारा। उस दिन चरवाहे की जान तो बच गई, लेकिन उसकी प्यारी भेड़ें भेड़िए का शिकार बन चुकी थीं। चरवाहे को अपनी गलती का एहसास हो गया था और उसने गांव वालों से माफी मांगी। चरवाहा बोला मुझे माफ कर दो भाइयों, मैंने झूठ बोल कर बहुत बड़ी गलती कर दी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ — नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क — धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या — ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

तुला — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक — किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर — घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुम्भ — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

नेटफ्लिक्स-वॉर्नर ब्रोस डील पर शेखर ने उठाए सवाल

हॉलीवुड की दिग्गज कंपनी वॉर्नर ब्रदर्स को नेटफ्लिक्स द्वारा खरीदने की खबर ने इंटरनेशनल लेवल पर एंटरटेनमेंट जगत में हलचल पैदा कर दी है। भारत में भी इस सौदे को लेकर चर्चाएं तेज हैं। मल्टीप्लेक्स मालिक चिंतित है कि कहीं इसका असर थिएटरों पर न पड़े, वहीं मशहूर फिल्ममेकर शेखर कपूर इसे एक गहरी, तकनीकी और सांस्कृतिक बदलती दुनिया का संकेत मान रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए ये बताने की कोशिश की है कि इस बदलाव के असली मायने कॉरपोरेट नहीं, बल्कि आम दर्शक और एआई तय करेंगे। शेखर के पोस्ट के मुताबिक, लोग मान रहे हैं कि बड़ी कंपनियां जैसे नेटफ्लिक्स और वॉर्नर ब्रदर्स जब मिल जाती हैं, तो वो ग्राहकों को अपनी पसंद का कंटेंट देखने पर मजबूर कर सकती हैं। लेकिन यह सोच गलत है, क्योंकि हर इंसान की पसंद अलग होती है। किसी कंपनी के लिए यह बताना आसान नहीं कि लोग क्या देखना चाहेंगे। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से यह और भी मुश्किल हो गया है, क्योंकि एआई के आ जाने से अब हर किसी की पसंद उसके हिसाब से अलग-अलग हो चुकी है। अब अकेला इंसान भी एआई की मदद से बहुत अच्छा कंटेंट बना सकता है- कम पैसे में। इसका मतलब है कि बड़ी-बड़ी कंपनियां अब दर्शकों को अपनी पसंद की चीजें दिखाने पर मजबूर नहीं कर पाएंगी। दुनिया की 80 प्रतिशत आबादी बड़े स्टूडियो और अच्छे-खासे पैसे से फिलहाल दूर है और असली ताकत आगे चलकर वहीं से आएगी। यानी भविष्य कॉरपोरेट्स का नहीं, बल्कि आम लोगों का और उनके बनाए कंटेंट का है। यानी सीधे-सीधे शब्दों में कहें तो उनके मुताबिक अब कंपनियां नहीं बल्कि लोग खुद फैसला लेते हैं कि उन्हें किस तरह का कंटेंट देखना है और वो चाहें तो खुद भी वैसा कंटेंट एआई की मदद से बना सकते हैं इसलिए इस डील का आम लोगों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

धर्मेंद्र के बर्थडे पर भावुक हुई हेमा

बोलीं- 'आप जो दिल तोड़कर गए, उसे समेट रही हूं..'

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का बीते 24 नवंबर को निधन हो गया था। जिसके बाद से उनके परिवार और फैंस लगातार उन्हें याद कर रहे हैं और अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया के जरिए शेयर कर रहे हैं। आज धर्मेंद्र 90 साल के हो जाते। धर्मेंद्र के जन्मदिन पर हेमा मालिनी ने कई पुरानी तस्वीरों के साथ एक भावुक नोट लिखा है। हेमा मालिनी ने एक्स पर धर्मेंद्र के साथ अपनी दो पुरानी तस्वीरों को शेयर किया है। इन तस्वीरों के हेमा ने लिखा, धरम जी, जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक हो। दो हफ्ते से ज्यादा हो गए जब आप मुझे अचानक छोड़कर चले गए। मेरा दिल टूट गया था, लेकिन अब धीरे-धीरे मैं उन टुकड़ों को जोड़ रही हूं और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश कर रही हूं। हेमा ने आगे लिखा, आप भले ही शरीर से दूर चले गए, पर मेरी आत्मा में हमेशा मेरे साथ हैं। हमारे साथ बिताए वो सारे प्यारे पल, हमारी हंसी-खुशी भरी यादें कभी मिट नहीं सकतीं। उन यादों को बार-बार जीना मुझे बहुत सुकून और खुशी देता है। मैं भगवान का लाख-लाख शुक्रिया करती हूं कि उन्होंने हमें इतने सुंदर साल साथ बिताने का मौका दिया, हमारी दो प्यारी बेटियां दीं, और ढेर सारी खूबसूरत यादें दीं जो मेरे दिल में हमेशा जिंदा रहेंगी। हेमा ने आगे लिखा, आपके जन्मदिन पर मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि आप ऊपर जहां भी हैं, ढेर सारी शांति और खुशी दें। आप अपनी नेकी, विनम्रता और इंसानियत से इसके पूरी तरह हकदार हैं। एक बार फिरज जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे धरम जी।

तन्वी द ग्रेट के लिए शुभांगी को मिला बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में किया गया शुभांगी को सम्मानित

अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने अनुपम खेर की निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इसी फिल्म के लिए उन्हें ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। तन्वी द ग्रेट के लिए शुभांगी दत्त को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस फेस्टिवल में तन्वी द ग्रेट को बेस्ट स्क्रीनप्ले का अवॉर्ड भी मिला। स्क्रीनप्ले अनुपम खेर, अभिषेक दीक्षित और अंकुर सुमन ने मिलकर लिखा था। शुभांगी ने खुशी जताते हुए कहा, यह अवॉर्ड जीतना बहुत खास और अजीब सा लग रहा है। तन्वी का किरदार बहुत ईमानदारी, कमजोरी, अनुशासन और ताकत मांगता था। आगे शुभांगी ने अनुपम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि दुनिया भर के दर्शकों को फिल्म और उसका सुंदर मैसेज पसंद आया। अनुपम सर का बहुत-बहुत शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे जिंदगी भर याद रहने वाला रोल दिया। इस दौरान अनुपम खेर ने कहा, यह बहुत अच्छी जीत है। शुभांगी ने तन्वी के किरदार में पूरी जान डाल दी। यह फिल्म दिल से बनी है और इसे अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाना बहुत खुशी की बात है। फिल्म तन्वी द ग्रेट की कहानी एक ऑटिस्टिक लड़की तन्वी की है, जो अपने दिवंगत पिता का सपना पूरा करने के लिए सियाचिन (दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र) पहुंचकर भारतीय तिरंगा फहराना चाहती है। यह उसकी भावनात्मक और साहसी यात्रा की कहानी है। इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, अरविंद स्वामी, नासर, इयान ग्लेन और करण टैकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

नाच-गाना, दावत और जुलूस के साथ घोड़ी के बच्चे का हुआ कुआं पूजन

हमारे देश विभिन्न प्रकार के त्योहार और उत्सव होते है। क्योंकि भारत देश में हर धर्म के लोग रहते हैं और धर्म की अपनी संस्कृति होती है और उत्सव होते है। ऐसा ही बागपत में एक अनोखा उत्सव गवाह बना। जहां पर डीजे की तेज धुनों पर थिरकती महिलाएं, डिस्को करते नौजवान और सजधज कर मंदिर तक निकलता जुलूस..पहली नज़र में कोई भी इसे किसी शादी या इंसानी बच्चे के जन्म का समारोह समझ ले। मामला बागपत के टिकरी कस्बे का है, जहां दीपक के परिवार ने सालों पहले एक घोड़ी खरीदी थी।उस घोड़ी ने 'मनु' नाम की एक मादा घोड़ी को जन्म दिया। कुछ समय बाद 'लक्ष्मी' नामक घोड़ी की मौत हो गई, जिसके बाद मनु को परिवार ने अपने बच्चे की तरह पाला। मनु धीरे-धीरे बड़ी हुई और परिवार का हिस्सा बन गई। परिवार ने तय किया था कि जब मनु बड़ी होकर बच्चा देगी तो उसका कुआं पूजन धूमधाम से करेंगे इसी महीने जन्माष्टमी के दिन मनु ने एक मादा बच्चे को जन्म दिया। कृष्ण जन्माष्टमी पर जन्म लेने की वजह से उसका नाम 'राधा' रखा गया।तय समय के अनुसार अब राधा का कुआं पूजन किया गया। पूरे आयोजन में मनु और उसकी बच्ची राधा को सजाया गया और जुलूस के रूप में मंदिर तक ले जाया गया।महिलाएं और पुरुष डीजे की धुन पर नाचते-गाते मंदिर पहुंचे। इसके बाद गांव में दावत का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों को न्योता दिया गया। पशु होने के बावजूद परिवार ने मनु और राधा को अपने बच्चों की तरह रखा है। यह अनोखा आयोजन इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

अजब-गजब | हैरान करने वाली यूपी की डरावनी नदी

जिसका पानी छूने से डरते हैं लोग

उत्तर प्रदेश की जिस नदी का पानी छूने से भी लोगों को डर लगता है। उस नदी का नाम है कर्मनाशा।लोगों के मन में इस नदी को लेकर ऐसा डर रहता है कि वह प्यासे रह जाते हैं लेकिन इसका पानी पीने के लिए पास तक नहीं जाते।यहां तक खाना बनाने में भी इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। करमांसा दो शब्दों को जोड़ कर बना है- कर्म और नाश। माना जाता है कि यह नदी आपके सभी अच्छे कर्मों का नाश कर देती है और इसका पानी छूने से सभी काम बिगड़ जाते हैं।करमांसा नदी को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं।आइए जानते हैं कर्मनाशा नदी को लेकर क्या पौराणिक मान्यताएं हैं।

कर्मनाशा नदी बिहार के कैमूर से निकलती है और इसके बाद में उत्तर प्रदेश आती है।यह नदी बिहार और यूपी को बांटती है।इसके एक ओर यूपी के सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी और गाजीपुर हैं।यह बक्सर के पास गंगा में जाकर मिल जाती है। प्रचलित कहानी के मुताबिक राजा हरिश्चंद्र के पिता सत्यव्रत ने अपने गुरु वशिष्ठ से सशरीर स्वर्ग जाने की इच्छा जताई। लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इससे नाराज सत्यव्रत विश्वामित्र के पास गए।उनसे भी यही इच्छा जाहिर की। गुरु वशिष्ठ से शत्रुता के चलते विश्वामित्र ने सत्यव्रत की इच्छा पूरी करने का फैसला किया। तप कर विश्वामित्र ने सत्यव्रत को शरीर सहित स्वर्ग भेज दिया।

हालांकि वह धरती और स्वर्ग के बीच में ही अटक गए और त्रिशंकु कहलाए। कथा के अनुसार जब देवताओं और विश्वामित्र का युद्ध हो रहा था, तो सत्यव्रत धरती और आकाश के बीच में अटके हुए थे। उस दौरान उनके मुंह से लार टपकने लगी और यही लार नदी बन कर धरती पर आई।

इसके बाद ऋषि वशिष्ठ ने सत्यव्रत को चंडाल होने का शाप दे दिया और इसके बाद यह नदी भी शापित हो गई।इस बात को आज भी लोग मानते हैं और इस नदी से दूर रहते हैं।

बंगाल चुनाव की वजह से वंदे मातरम् पर हो रही है बहस : प्रियंका

लोकसभा में भाजपा व पीएम मोदी पर बरसीं कांग्रेस सांसद

» भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने की कोशिश कर रही : राजीव शुक्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने वंदे मातरम् को लेकर भाजपा व पीएम मोदी को जमकर घेरा। वायनाड की सांसद ने कहा कि आज सदन में वंदे मातरम् पर बहस की दो वजहें हैं। पहला बंगाल में चुनाव आने वाला है। ऐसे में हमारे प्रधानमंत्री महोदय अपनी भूमिका बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रगीत भारत की आत्मा का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के कारण इस मुद्दे को बहस के लिए लाने का आरोप लगाया।

प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम ने भारतीयों को एकजुट किया। भाजपा सर से पहले राष्ट्रगीत पर बहस चाहती थी। यह लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। सरकार वंदे मातरम पर बहस चाहती थी क्योंकि बंगाल में चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। प्रियंका ने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, देश के लिए कुर्बानियां दीं, ये सरकार उन पर नए आरोप लादने का मौका चाहती है। ऐसा कर मोदी सरकार देश का ध्यान जनता के जरूरी मुद्दों से भटकाना चाहती है। वहीं कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पीएम मोदी के वंदे मातरम भाषण पर कहा क क्या 150 साल बाद वंदे मातरम पर बहस की ज़रूरत थी? देश को आज़ाद हुए 75 साल हो गए हैं, न तो उन्होंने और न ही जनसंघ ने कभी इस मुद्दे को उठाया। भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने की कोशिश कर रही है। वे जवाहरलाल नेहरू को गाली देते रहते हैं, लेकिन अब उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान करना शुरू कर दिया है।

गांधी परिवार वंदे मातरम पर चर्चा करने से डरता है: अनुराग

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में शामिल नहीं होने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की आलोचना की और कहा कि गांधी परिवार वंदे मातरम पर चर्चा करने से डरता है। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान संसद के निचले सदन को संबोधित करते हुए, अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत की। वंदे मातरम के 100वें वर्षगांठ वर्ष में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को सामने रखा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बनेगा, जो बताएगा कि कैसे वंदे मातरम ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया। वंदे मातरम की सराहना करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह राष्ट्र की आत्मा का गीत है और एक महामंत्र है। उन्होंने सदन में कहा कि यह सिर्फ़ एक गीत नहीं, बल्कि एक महामंत्र है। यह किसी धर्म, व्यक्ति या राज्य का गीत नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, गौरव और आकांक्षाओं का गीत है। यह राष्ट्र प्रेम की परंपरा है, इसीलिए कांग्रेस इससे डरती है। वे इतने डरे हुए हैं कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा शुरू की, तो इतने लंबे समय तक शासन करने वाले परिवार के दो सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे।

विकृतियों के उस्ताद हैं मोदी : जयराम रमेश

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर संसदीय बहस के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए उन्हें विकृतियों का उस्ताद करार दिया। कांग्रेस सांसद ने लिखा कि किस भारतीय नेता ने 2009 में अपनी किताब में जिन्ना की प्रशंसा की थी? भाजपा की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्यामा प्रसाद मुखर्जी फजलुल हक के नेतृत्व वाली प्रगतिशील गठबंधन सरकार में वित्त मंत्री के रूप में शामिल हुए और एक साल से भी कम समय में इस्तीफा दे दिया। लालकृष्ण आडवाणी ने 2005 में कराची का दौरा किया था और जिन्ना मकबरे की आगंतुक पुस्तिका में एक संदेश लिखा था। ऐसे बहुत से लोग हैं जो इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं। लेकिन बहुत कम लोग होते हैं जो वास्तव में इतिहास रचते हैं। कायदे-आज़म मोहम्मद अली जिन्ना ऐसे ही एक दुर्लभ व्यक्ति थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक प्रमुख हस्ती, सरोजिनी नायडू ने श्री जिन्ना को हिंदू-मुस्लिम एकता का राजदूत बताया था। 11 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान की संविधान सभा को दिया गया उनका संबोधन एक धर्मनिरपेक्ष राज्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें प्रत्येक नागरिक अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र होगा, लेकिन राज्य आस्था के आधार पर एक नागरिक और दूसरे के बीच कोई भेद नहीं करेगा।

शुभमन गिल मैदान पर वापसी के लिए तैयार

» हार्दिक की भी टीम में वापसी, दक्षिण अफ्रीका से पहला टी20 मैच आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। गिल को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस सर्टिफिकेट मिल गया था जिसके बाद वह कटक में टीम से जुड़े थे। इस बात की संभावना अधिक है कि गिल मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में खेलेंगे। इस मैच से पहले गिल ने दो घंटे तक कड़ा अभ्यास किया।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कटक बाराबाटी स्टेडियम में पहला मैच खेला जाएगा। गिल 24 दिन के रिहैब के बाद लौटे हैं और वह अभ्यास सत्र के दौरान फिट नजर आए। वहीं, फिट हो चुके अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने ट्रेनिंग सत्र से बाहर रहने का फैसला किया। अभिषेक ने हालांकि बल्लबाजी का अभ्यास नहीं करने का फैसला किया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने भी गिल के साथ सबसे पहले अभ्यास किया जिससे संकेत मिलता है कि उन्हें सीरीज के पहले मैच में जितेश शर्मा पर तरजीह मिल सकती है। केरल के इस खिलाड़ी को हालांकि मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि गिल पारी का आगाज करने के हकदार हैं। वहीं हार्दिक के अभ्यास नहीं करने से उनकी फिटनेस पर कयास लगे। हलांकि सूर्यकुमार ने कहा था कि हार्दिक फिट और ठीक हैं जिससे किसी भी नई चोट की चिंता खत्म हो गई।

शादी टूटने के बाद नेट्स पर लौटीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज से पहले मैदान पर वापस नजर आईं। मंधाना ने रविवार को इस बात का एलान किया था कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी रद्द कर दी गई है। इस घोषणा के अगले ही दिन मंधाना नेट्स पर नजर आईं। मंधाना ट्रेनिंग जर्सी में पैड पहने बल्लेबाजी करती नजर आईं। मंधाना के भाई ने इंस्टाग्राम पर उनकी नेट्स पर बल्लेबाजी करते हुए तस्वीर शेयर की। इस दौरान उनके भाई ने पोस्ट पर दिल की इमोजी लगाई। यह तस्वीर तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। सोशल मीडिया पर यूजर्स राष्ट्रीय टीम के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना कर रहे हैं। मंधाना ने भारतीय महिला टीम की वनडे विश्व कप की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। मंधाना अब श्रीलंका के खिलाफ 21 से 30 दिसंबर तक पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं।

वंदेमातरम् पर जबरदस्ती संविधान के खिलाफ

» एआईएमआईएम सांसद ओवैसी बोले- वफादारी का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भारत में आजादी इसलिए आई कि 'हमने मुल्क और मजहब को एक नहीं बनाया।' उन्होंने लोकसभा में वंदे मातरम् पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए कहा, 'हुकूमत इस पर जोर-जबर नहीं करे, अगर जबरदस्ती करेंगे तो यह संविधान के खिलाफ है। ओवैसी ने कहा कि जिन्होंने जंग-ए-आजादी में हिस्सा नहीं लिया, आज वे वतन से मोहब्बत की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभक्ति दिखानी है तो गरीबी खत्म की जाए। उन्होंने कहा,

'भारत में आजादी इसलिए आई कि हमने मुल्क और मजहब को एक नहीं बनाया।' उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'क्या वे वंदे मातरम् को वफादारी का 'टेस्ट' बनाना चाहते हैं?' ओवैसी ने वंदे मातरम् गाने या इसका उद्घोष करने के मुद्दे पर कहा, 'हम अपनी मां की इबादत नहीं करते, हम कुरान की भी इबादत नहीं करते और इस्लाम में अल्लाह के सिवा कोई खुदा नहीं।' एआईएमआईएम सांसद ने वतन-परस्ती को मजहब में तब्दील करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'वतन मेरा है और हम इसे छोड़कर नहीं जाएंगे... वफादारी का सर्टिफिकेट हमसे मत लीजिए।

युवा अतीत की गलतियां न करने का संकल्प लें: तेजस्वी

बीजेपी के तेजस्वी सूर्या ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा करने की जरूरत इसलिए पड़ी कि देश के युवा अतीत की गलतियां न करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण कांग्रेस पार्टी का हथकंडा बन गया और पार्टी की तत्कालीन सरकार ने शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को पलट दिया था। सूर्या ने कहा कि यह वही मानसकिता है जिसने वंदे मातरम् का विरोध किया। उन्होंने कहा, 'यही मानसिकता है जो आज देश में समान नागरिक संहिता, एसआईआर (मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण) का विरोध कर रही है।'

भजनलाल सरकार के दो साल मजाक में निकल गए : बेनीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं से जुड़े सरकारी फैसलों और जोधपुर पुलिस की कार्यप्रणाली पर कहा कि भजनलाल सरकार के दो साल 'मजाक में निकल गए' तथा मुख्यमंत्री को 'कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है'।

बेनीवाल ने आरोप लगाया कि राजस्थान में कानून-व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है और भय का माहौल समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशे की स्थिति 'पंजाब से भी ज्यादा' हो चुकी है और अपराध व गैंगवार लगातार बढ़ रहे हैं। जोधपुर पुलिस पर हमला बोलते हुए बेनीवाल ने कहा कि 'बड़े पदों पर बैठे अधिकारी एक-दूसरे से ज्यादा भ्रष्ट हैं' और जोधपुर में 'सारा कूड़ा-कचरा पटक दिया गया है।

हरियाणा में कॉलेजों की दुर्दशा के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : अभय

» इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हरियाणा लोक सेवा आयोग पर भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा के कॉलेजों में नियमित प्रोफेसरों की भारी कमी के लिए भाजपा सरकार और हरियाणा लोक सेवा आयोग दोनों समान रूप से जिम्मेदार हैं। उन्होंने सरकार के कॉलेजों में पीएचडी व रिसर्च स्कॉलर्स से पढ़ाने के फैसले को दोहरी नीति करार दिया है। अभय चौटाला ने कहा कि कॉलेज शिक्षा बच्चों के भविष्य को निर्धारित करती है लेकिन प्रदेश के 180 कॉलेजों में 2400 से अधिक पद खाली होने के चलते पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

उन्होंने तंज कसा कि जिन पीएचडी और रिसर्च स्कॉलर्स को एचपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर के पेपर में फेल कर देती है उन्हीं को अब सरकार संविदा पर पढ़ाने के लिए भेज रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर योग्यता थी तो भर्ती में क्यों फेल किया गया और यदि योग्यता नहीं थी तो कक्षाओं में पढ़ाने के लिए क्यों भेजा जा रहा है? भाजपा सरकार का एजेंडा शिक्षा सुधार नहीं बल्कि काम चलाऊ व्यवस्था और योग्य युवाओं को बेरोजगार रखना है। उन्होंने दावा किया कि सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के प्रति गंभीर नहीं है।

काम आया विपक्ष का दबाव, इंडिगो मामले में पीएम मोदी ने तोड़ी चुप्पी

» कोई कितना भी बड़ा हो, जवाबदेही तय होगी : राम मोहन नायडू

» डीजीसीए ने इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन के परिचालन संकट पर विपक्ष के बवाल के बाद आखिर पीएम मोदी व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता को परेशानी में डालने वाले नियम न बनाए जाएं। वहीं लोकसभा में बोलते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापुर ने मंगलवार को कहा कि स्थिति तेजी से सुधर रही है और एयरलाइन को उसके कर्तव्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि डीजीसीए ने इंडिगो को कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया है। जवाब आने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोई भी एयरलाइन चाहें वो कितनी भी बड़ी हो उसे यात्रियों की परेशानियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। मंत्री ने कहा कि परिचालन तेजी से स्थिर हो रहा है, सुरक्षा मानकों का पूरा पालन हो रहा है, इंडिगो को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, यात्रियों की सुविधा और सम्मान की रक्षा की जा रही है, और दीर्घकालिक सुधारों पर काम जारी है। नायडू ने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार यात्रियों की परेशानियों को गंभीरता से ले रही है और ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जिससे भविष्य में इस तरह की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि भारत के उड्डयन क्षेत्र को अधिक यात्री-केंद्रित बनाने के लिए दीर्घकालिक उपाय लागू किए जा रहे हैं। इंडिगो ने सोमवार को परिचालन स्थिर होने का दावा किया था। एयरलाइन ने बताया कि उसने अपने नेटवर्क में 1,800 से अधिक उड़ानें संचालित की हैं और जिन सभी स्टेशनों पर सेवाएं दी जाती थीं, वहां संपर्क दोबारा बहाल कर दिया गया है।

जनता को परेशान करने के लिए नियम ना बनाएं : मोदी

इंडिगो एयरलाइंस के हालिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा है कि नियम-कानून बनाने का मकसद सिर्फ सिस्टम को बेहतर करना होना चाहिए, न कि आम भारतीय नागरिकों को परेशान करना। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को एनडीए के सांसदों की बैठक में पीएम के बयान का हवाला देते हुए यह जानकारी साझा की है। पीएम की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब इंडिगो की कई फ्लाइट्स में तकनीकी खराबी और देरी की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। यात्रियों को घंटों एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ रहा है और कई उड़ानें रद भी हो रही हैं। किरेन रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जो भी नियम बनते हैं, वे प्रशासन को मजबूत करें, लोगों की जिंदगी आसान करें, न कि उन्हें मुश्किल में डालें। पीएम का जोर इस बात पर था कि किसी भी नीति या नियम का असर सीधे आम आदमी पर पड़ता है, इसलिए उसमें संवेदनशीलता जरूरी है। रिजिजू ने बताया कि पीएम मोदी ने इंडिगो के मौजूदा संकट का जिक्र करते हुए अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उनका कहना था कि यात्रियों की परेशानी को कम से कम करना सरकार की प्राथमिकता है।

परिचालन संकट आठवें दिन भी जारी, 200 विमान रद्द

इंडिगो का परिचालन संकट आठवें दिन भी जारी है। एयरलाइन ने मंगलवार को बंगलूरू और हैदराबाद से लगभग 180 उड़ानें रद्द की हैं। वहीं देशभर में 230 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इंडिगो मंगलवार को हैदराबाद के लिए 58 उड़ानें संचालित नहीं कर रही है। इनमें 14 आगमन और 44 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बंगलूरू हवाई अड्डे से रद्द उड़ानों की संख्या 121 है, जिनमें 58 आगमन और 63 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। इस बीच, मौजूदा शीतकालीन समय सारणी में इंडिगो कुछ मार्गों को अन्य घरेलू एयरलाइंस के हाथों खो सकती है। विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार निश्चित रूप से इंडिगो के स्लॉट कम करेगी।

डीएमके पर भरोसा न करे जनता : विजय

» टीवीके प्रमुख का तीखा प्रहार, बोले- केवल धोखा देती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। टीवीके अध्यक्ष ने जनता से डीएमके पर विश्वास न करने का आग्रह किया और पुडुचेरी के लोगों से अनुरोध किया कि वे उन्हें अस्वीकार न करें। पुडुचेरी के उप्पलम एक्सपो ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि डीएमके पर विश्वास न करें। उनका काम केवल आपको धोखा देना है। मैं पुडुचेरी के लोगों से आग्रह करता हूँ कि वे हमें अस्वीकार न करें, जैसा कि कुछ लोग तमिलनाडु में करते हैं।

तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने राज्य के दर्जे की मांग को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि पार्टी का एकमात्र काम लोगों को धोखा देना है। टीवीके अध्यक्ष ने जनता से डीएमके पर विश्वास न करने का आग्रह किया और पुडुचेरी के लोगों से अनुरोध किया कि वे उन्हें अस्वीकार न करें। पुडुचेरी के उप्पलम एक्सपो ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि डीएमके पर विश्वास न करें। उनका काम केवल आपको धोखा देना है। मैं पुडुचेरी के लोगों से आग्रह करता हूँ कि वे हमें अस्वीकार न करें, जैसा कि कुछ लोग तमिलनाडु में करते हैं।

पुडुचेरी के लोगों के साथ अपनी पार्टी की एकजुटता दोहराते हुए, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनके आंदोलन के लिए, केंद्र सरकार द्वारा अलग-अलग वर्गीकरण किए जाने के बावजूद, तमिलनाडु और पुडुचेरी अविभाज्य हैं। इस केंद्र सरकार के लिए, तमिलनाडु एक अलग राज्य है और पुडुचेरी एक अलग केंद्र शासित प्रदेश है। लेकिन हमारे लिए, सभी एक समान हैं। हम प्रशासनिक रूप से अलग हो सकते हैं, लेकिन हम आत्मा से एक हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम दुनिया में कहीं भी रहें, हम सभी एक ही बंधन साझा करते हैं। पुडुचेरी की सांस्कृतिक और राजनीतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए, टीवीके प्रमुख ने याद किया यहीं पर भरतियार रहते थे, और विनायक, अरविंद आश्रम और मठ जैसे स्थान तमिल विरासत के प्रतीक हैं।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी को जारी किया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज़ एवेन्यू स्थित सत्र न्यायालय ने मंगलवार को सोनिया गांधी को एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया। यह पुनरीक्षण याचिका मजिस्ट्रेट के सितंबर के उस आदेश को चुनौती देती है जिसमें 1980-81 की मतदाता सूची में सोनिया गांधी को गलत तरीके से शामिल करने का आरोप लगाने वाली एक शिकायत को खारिज कर दिया गया था।

सत्र न्यायाधीश विशाल गोगने ने पुनरीक्षणकर्ता की ओर से प्रारंभिक प्रस्तुतियाँ सुनने के बाद यह निर्देश दिया। पुनरीक्षणकर्ता विकास त्रिपाठी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग ने तर्क दिया कि इस मामले पर पुनर्विचार आवश्यक है क्योंकि रिकॉर्ड में प्रस्तुत सामग्री से संकेत मिलता है कि भारतीय नागरिक बनने से पहले सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में दर्ज करने के तरीके में गंभीर अनियमितताएँ थीं। उन्होंने दलील दी कि 1980 की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए कुछ दस्तावेजों में जालसाजी और हेराफेरी की गई होगी, और इस बात पर ज़ोर दिया कि बाद में उनका नाम हटा दिया गया और फिर जनवरी 1983 में दायर एक आवेदन के आधार पर 1983 में फिर से दर्ज किया गया। उनके अनुसार, दोनों ही घटनाएँ उनके नागरिकता प्राप्त करने से पहले की हैं। नारंग ने तर्क दिया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम स्पष्ट रूप से केवल भारत के नागरिक को ही मतदाता के रूप में नामांकित करने की अनुमति देता है, और इसलिए, प्रविष्टियों ने न्यायिक जाँच की आवश्यकता वाले प्रश्न उठाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि प्रारंभिक शिकायत मतदाता सूची की क्लिप वाले एक लेख पर आधारित थी, लेकिन संशोधनकर्ता ने अब चुनाव आयोग से सत्यापित प्रतियाँ प्राप्त कर ली हैं, जिन्हें दावे की पुष्टि के लिए रिकॉर्ड में रखा गया है।

प्रस्तुतियों पर विचार करने के बाद, न्यायाधीश गोगने ने सोनिया गाँधी सहित दोनों प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। अभियोजक ने राज्य की ओर से नोटिस स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि संशोधन में उठाए गए मुद्दों के पूर्ण मूल्यांकन के लिए ट्रायल कोर्ट रिकॉर्ड को तलब किया जाए। मामला अब 6 जनवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, जब सत्र न्यायालय मजिस्ट्रेट द्वारा शिकायत को प्रारंभिक चरण में ही खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका की जाँच जारी रखेगा।

पीएम मोदी ने सोनिया गांधी को उनके 79वें जन्मदिन पर बधाई दी

प्रधानमंत्री मोदी ने सोनिया गांधी को उनके 79वें जन्मदिन पर बधाई दी, कहा-ईश्वर दीर्घायु और स्वास्थ्य रखें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर मंगलवार को बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स% पर लिखा, सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। 9 दिसंबर 1946 को जन्मी गांधी लगभग दो दशकों तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। वह इस पद पर सबसे लंबे समय तक रही पार्टी नेता हैं। उन्होंने 139 साल पुराने संगठन की बागडोर 2017 में अपने बेटे राहुल गांधी को सौंप दी थी।

नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस ने किया निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नवजोत कौर सिद्धू को उनके विवादास्पद बयान के बाद कांग्रेस पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह सिद्धू के उस विवादित बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वह पंजाब का मुख्यमंत्री बन जाता है।

उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी कौर ने शनिवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं...लेकिन हमारे पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं जो हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें। मीडिया ने सवाल किया क्यों नहीं मिलेगा?

गोवा में 25 जान लेने वाला भागा थाईलैंड

गोवा पुलिस बोली- जांच से बचने की कोशिश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। अरपोरा में शनिवार आधी रात को आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना उस घटना के बाद हुई है जिसमें दिल्ली स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा आग लगने की घटना शुरू होने के लगभग छह घंटे बाद रविवार सुबह 5:30 बजे इंडिगो की उड़ान से फुकेत भाग गए थे।

गोवा पुलिस ने कहा है कि अरपोरा स्थित नाइट क्लब के मालिकों का देश छोड़कर थाईलैंड भाग जाना, पुलिस जांच से बचने की उनकी मंशा को दर्शाता है। पुलिस उपाधीक्षक और जनसंपर्क अधिकारी नीलेश राणे ने कहा, मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क किया गया और पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे, यानी आधी रात के आसपास हुई घटना के तुरंत बाद, 6ई 1073 उड़ान (नई दिल्ली से फुकेत) में सवार हुए थे। इससे पुलिस जाँच से बचने की उनकी मंशा का पता चलता है। इंडिगो की उड़ान रद्द होने की खबर ऐसे समय में आई है जब पूरे भारत में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है, इस हफ्ते कई हवाई अड्डों पर हज़ारों उड़ानें रद्द कर दी गई।

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को अदालती नोटिस

कर्नाटक के सीएम के निर्वाचन को चुनौती, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की नागरिकता पर सवाल

» सिद्धारमैया को नोटिस जारी कर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से 2023 के राज्य चुनावों में वरुणा विधानसभा क्षेत्र से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली एक याचिका पर जवाब मांगा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस पार्टी के चुनावी वादे, खासकर उसकी पाँच गारंटी, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत भ्रष्ट आचरण के समान हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से मतदाता होने का दावा करने वाले के. शंकर द्वारा दायर याचिका पर सिद्धारमैया को नोटिस जारी किया। पीठ ने 22 अप्रैल को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा चुनाव याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए कहा नोटिस जारी करें। सुनवाई के दौरान, पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से एक महत्वपूर्ण प्रश्न पूछा, घोषणापत्र जारी करना भ्रष्ट आचरण कैसे माना जाएगा? वकील ने तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ पहले ही इसी तरह की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो चुकी है और उन्होंने चुनावी मुफ्त उपहारों पर सर्वोच्च न्यायालय के 2013 के फैसले का हवाला दिया। वकील ने उस फैसले का हवाला दिया जिसमें कहा गया था, हालांकि कानून स्पष्ट है कि चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता, लेकिन इस वास्तविकता से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी तरह की मुफ्त चीजों का वितरण निस्संदेह सभी लोगों को प्रभावित करता है।

फैसले में यह भी स्पष्ट किया गया था कि घोषणापत्र में किए गए वादों को धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण घोषित नहीं किया जा सकता।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।